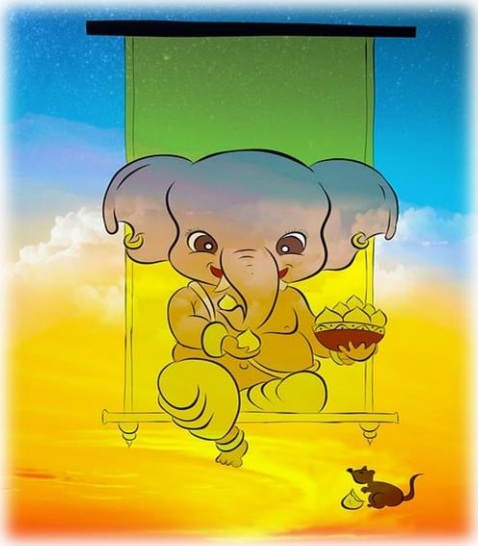

कक्षा-3 के लिए अपठित गद्यांश

लड्डू गणेश

एक बार की बात है, एक सुंदर गांव 'अवधपुरी' में जहां हर साल गणेश चतुर्थी का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता था। गांव के सभी लोग अपने-अपने घरों में सुंदर-सुंदर मूर्तियाँ बनाते और मनमोहक लड्डू तैयार करते। इस बार गांव में एक विशेष बात होने वाली थी।

गांव के एक गरीब ब्राह्मण, श्री राम-दास, हमेशा से भगवान गणेश के भक्त थे। हर साल वो अपने घर में सबसे सुंदर लड्डू बनाते थे, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि वो महंगे सामान खरीद सकें। फिर भी, उनकी श्रद्धा कभी कम नहीं हुई। गणेश चतुर्थी का दिन आया, और श्री राम-दास ने अपने घर में गणेश जी की एक सुंदर मूर्ति स्थापित की। उन्होंने खुशी-खुशी अपने खीर, जलेबी और लड्डू बनाए। लेकिन इस बार उनकी एक इच्छा थी - वो चाहते थे कि उनके बनाए लड्डू सभी असाधारण स्वाद के हों।

रात को, जब गांव में सब लोग सो रहे थे, भगवान गणेश प्रकट हुए। उन्होंने श्री राम-दास के लड्डू की सुगंध महसूस की और उनका मन करता कि उन लड्डू का स्वाद चखें। भगवान गणेश ने अपने विशाल हाथों से एक लड्डू उठाया और उसे खाते ही उनकी आँखें चमक उठीं।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. अवधपुरी' में हर साल गणेश चतुर्थी का महोत्सव कैसे मनाया जाता था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. गरीब ब्राह्मण का नाम क्या था?

उत्तर _____

_____

प्र०3. गरीब ब्राह्मण ने गणेश चतुर्थी पर क्या बनाया?

उत्तर _____

_____

प्र०4. ऊपर दिए गए गद्यांश से दो सर्वनाम शब्द ढूंढकर उनका वाक्य बनाएं।

उत्तर 1._____

_____

2. _____

_____